बाबोसा ये अर्जी है मैं वैसी बन जाँऊ जो तेरी मर्जी है

बाबोसा ये अर्जी है,
मैं वैसी बन जाँऊ,
जो तेरी मर्जी है।bd।

तर्ज – ये मेरी अर्जी है।

लफ्जो का टोटा है,
हो ज़िक्र बाबोसा का,
अश्को से होता है।bd।

छम छम छम बारिश है,
बाबोसा आ जाओ,
हर बूंद सिफारिश है।bd।

जो इतना प्यारा है,
बाबोसा हमारा है,
खुद चाँद कहे उससे,
तू चाँद हमारा है।bd।

बाबोसा बड़ा दयालु,
उसकी खुशबू से ही,
खुशबू में है खुशबू।bd।

अब और ना मन भटके,
मैं अखियन रख आई,
बाबोसा की चौखट पे।bd।

कहे मन दर्पण मेरा,
एक ही है ये दोनो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबोसा हो या बाईसा।bd।

तुझ में घुल जावांगी,
तेरी भक्ति में रंग जावांगी,
तू दूर भले कितना,
मैं आके मिल जावांगी।bd।

'दिलबर' तेरी मर्जी है,
तू चरणों में जगह दे दे,
ये मेरी अर्जी है।bd।

बाबोसा ये अर्जी है,
मैं वैसी बन जाँऊ,
जो तेरी मर्जी है।bd।

गायिका – समस्ता बैनर्जी।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com